

Symposium-cum-Poets' meet held

Port Blair, Sept 29: The *Kolkata Regional Office of Sahitya Akademi* in association with the *Directorate of Art & Culture, Andaman & Nicobar Administration* organised a "Symposium-cum-Poets' Meet" (Bengali) on 28th September 2019 in the premises of Andaman Club, Port Blair, the inaugural session of which was chaired by Dr. Utpal Kumar Sar, *Director of Fisheries, A&N Administration*. Dr. Subodh



Sarkar, *Chairman, Bengali Advisory Board, Sahitya Akademi* and Shri Shyamalkanti Das, *Kolkata-based*

eminent Bengali poet were also present on the occasion.

See... Page 02

Symposium on Bengali Literature & Culture and Bengali poets' meet held

Port Blair, Sept 29

Kala Kendra - a Society under Department of Art & Culture in co-ordination with Sahitya Akademi, Kolkata organized a symposium on Bengali Literature and Culture in Andaman and also a Bengali Poets' Meet at Andaman Club today. The Director Fisheries, Dr. Utpal Kumar Sar chairing the symposium opined that writers should voice their concerns through their writings.



In his introductory remarks, Dr. Subodh Sarkar, Convenor, Bengali Advisory Board, Sahitya Akademi said that Academy is committed to develop the languages spoken in these Islands, particularly Bengali. He said these Islands are not an Island but it a 'global

(Contd. on last page)

लेखक एवं साहित्यकार समाज के प्रहरी हैं : डॉ. सार

पोर्ट ब्लेयर, 29 सितम्बर।

अंडमान निकोबार प्रशासन के मत्स्य निदेशक डॉ. उत्पल कुमार सार ने कहा कि लेखक एवं साहित्यकार समाज के प्रहरी हैं, लेकिन वर्तमान में ऐसा देखा गया है कि समाज के बुद्धिजीवियों का ये वर्ग अपनी आवाज़ को उस हद तक बुलंद नहीं कर रहे हैं, जिसकी उनसे उम्मीद की जाती है। ये क्या किसी अन्य कारणों से लेखक सुरक्षित स्थान पर रहना चाहते हैं। यहां तक कि समाज के भ्रष्ट कार्यों के खिलाफ विरोध करना भी भूल गए हैं। उन्होंने लेखकों से आग्रह किया कि वे अपनी भूमिका के प्रति और ज्यादा सावधान रहे। यहां के अंडमान क्लब के परिसर में आज बांग्ला विचार-गोष्ठी एवं काव्य-गोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मत्स्य निदेशक ने यह बात कही। साहित्य अकादमी की कोलकाता क्षेत्रीय केन्द्र के सहयोग से अंडमान निकोबार प्रशासन के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

साहित्य अकादमी के बांग्ला सलाहकार बोर्ड के प्रसिद्ध बांग्ला कवि डॉ. सुबोध सरकार ने कहा कि केन्द्रशासित अंडमान निकोबार द्वीपसमूह मुख्य धारा से दूर नहीं है, क्योंकि इस पृथ्वी ग्रह को 'वैश्विक गांव' के रूप में माना जा रहा है, इसलिए मुख्यभूमि और द्वीपसमूह के नाम में कोई विभाजन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य अकादमी बांग्ला सहित अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में बोली जाने वाली सभी भाषाओं के साहित्य के विकास के लिए कृतसंकल्प हैं।

सामान्य परिषद के सदस्य एवं साहित्य अकादमी के बांग्ला साहित्य बोर्ड के सदस्य श्री अनादिरंजन विश्वास ने अपने सारगर्भित भाषण में कहा कि इन द्वीपों में खेल,



चित्रकला, गीत, नाट्य, नृत्य जैसी संस्कृति के अन्य क्षेत्रों की तुलना में साहित्य को उचित महत्व नहीं दिया गया है। उन्होंने विचार-गोष्ठी एवं काव्य गोष्ठी के आयोजन में सहयोग के लिए अंडमान निकोबार प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में डॉ. सुबोध सरकार तथा कोलकाता के जाने-माने बांग्ला कवि श्री श्यामलकांति दास ने श्री अनादिरंजन विश्वास द्वारा सम्पादित 'बाकप्रोतिमा' की 160वीं कड़ी (द्वीपों की बांग्ला त्रैमासिक पत्रिका) का विमोचन भी किया।

शैक्षिक सत्र के पहले भाग में जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर के बांग्ला विभाग के अध्यक्ष डॉ. ज्योतिर्माय रॉयचौधरी की अध्यक्षता में 'अंडमान में बांग्ला साहित्य एवं संस्कृति' विषय पर विचार-गोष्ठी हुई, जिसमें स्थानीय लेखक चित्तरंजन रॉय, समसूज जमान तथा नंदलाल देबशर्मा ने पत्र प्रस्तुत किए। दूसरे भाग में डॉ. सुबोध सरकार की अध्यक्षता में बांग्ला काव्य-गोष्ठी हुई, जिसमें झरना हलदर, शक्तिपदा बागची, बीरेन्द्र किशोर तालुकदार,

Symposium--cum-Poets' Meet held in city

PORT BLAIR, SEPT 29/-- / The Kolkata Regional Office of Sahitya Akademi in association with the Directorate of Art & Culture, Andaman & Nicobar Administration organised a "Symposium-cum-Poets' Meet" (Bengali) on Saturday at Andaman Club here. The inaugural session was chaired by Dr. Utpal Kumar Sar, Director of Fisheries, A&N Administration. Dr. Subodh Sarkar, Chairman, Bengali Advisory Board, Sahitya Akademi and Mr Shyamalkanti Das, Kolkata-based eminent Bengali poet were also present on the occasion.

Dr. Utpal Kumar Sar said that the writers/literateurs are the watchmen of the society. But, now-a-days it is very often seen that this intellectual segment of the society are not raising their voices upto that extent which is expected of them. For one reason or the other, the writers are now taking safe corner and have however forgotten to protest against the ill-practices of the society. He urged that the writers should be more cautious to their role.

Dr. Subodh Sarkar, fa-



mous Bengali poet as well as the Chairman, Bengali Advisory Board, Sahitya Akademi said that the UT of Andaman & Nicobar Islands is not very far from the mainstream inasmuch as our planet Earth is now treated as a 'global village'. So there should be no division in the names of 'mainland' and 'Island'. Sahitya Akademi is committed to develop literature of all the languages spoken in Andaman & Nicobar Islands alongwith Bengali. Mr Anadiranjan Biswas, General Council-Member as well as the Bengali Advisory Board-Member, Sahitya Akademi, expressed his views that 'literature' is not given proper

importance in these Islands in comparison to the other segments of 'culture' like sports, drawing-painting, song, drama, dance etc.. He expressed his sincere gratitude to the Andaman & Nicobar Administration for extending its helping hand to organise the Symposium-cum-Poets Meet.

The Festival Issue-2019 of Baakprotima (the only RNI-registered Bengali quarterly little magazine of A&N Islands), 160th in series, edited by Shri Anadiranjan Biswas was released on this occasion by Dr. Subodh Sarkar and Mr Shyamalkanti Das jointly.

The Academic session's first part i.e. 'Symposium' on

'Bengali Literature and Culture in Andamans' was chaired by Dr. Jyotirmoy Roychowdhury, HOD (Bengali), JNRM, Port Blair. Local writers namely, Chittaranjan Roy, Samsuz Zaman and Nandalal Debsharma presented their papers in this session.

The second part i.e. Bengali Poets' Meet was chaired by Dr. Subodh Sarkar, famous Bengali Poet as well the Chairman, Bengali Language Advisory Board, Sahitya Akademi. Local poets namely Jharna Halder, Shaktipada Bagchi, Birendra Kishore Talukdar, Primal Halder, Krishnaprasad Biswas, Anadiranjan Biswas and Kolkata-based eminent Bengali Poet Mr Shyamalkanti Das and Subodh Sarkar read their respective poems. Smt. Meena Mondal recited a poem composed by Subodh Sarkar. Earlier, Mr Devendra Kumar 'Devesh', Regional Secretary, Sahitya Akademi, Kolkata welcomed the gathering. Dr. Rashida Iqbal, Asstt. Director (Art & Culture), A&N Administration proposed the vote of thanks.

শহরে অনুষ্ঠিত হল কবি সম্মেলন



সাহিত্য অ্যাকাডেমি আয়োজিত কবি সম্মেলনে উপস্থিত কবি সুবোধ সরকার, শ্যামলকান্তি দাস সহ অন্যান্যরা।

পোর্ট ব্ল্যার, সেপ্টেম্বর ২৯ : সাহিত্য একাডেমির কলকাতা রিজিওনাল অফিসের উদ্যোগে শনিবার আন্দামান ক্রাবে অনুষ্ঠিত হল কবি সম্মেলন। আন্দামান-নিকোবর দ্বীপপুঞ্জের ডিরেক্টর অফ আর্ট অ্যান্ড কালচারের উদ্যোগে এই অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়। অনুষ্ঠানের পৌরহিত্য করেন আন্দামান-নিকোবর দ্বীপপুঞ্জ প্রশাসনের ডিরেক্টর, অফ

ফিশারিজ উৎপল কুমার সর। অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন সাহিত্য একাডেমি বেঙ্গলি এডভাইসর বোর্ডের চেয়ারম্যান সুবোধ সরকার। উপস্থিত ছিলেন কলকাতার বিশিষ্ট কবি শ্যামলকান্তি দাস। অনুষ্ঠানে বক্তব্য রাখতে গিয়ে উৎপল কুমার সর বলেন, সমাজে কি হচ্ছে বা চলছে তার প্রহরী হিসেবে কাজ করে থাকেন লেখক বা সাহিত্যিকরা। কিন্তু বর্তমান সময়ে দেখা যাচ্ছে

সমাজের গুণী ব্যক্তির অনেক কাজের প্রতিক্রিয়া সেইভাবে জানাচ্ছেন না। লেখকরা সেইভাবে প্রতিবাদ জানাচ্ছেন না। নিজেদের নিরাপদ স্থানে রাখতে চাইছেন। যেসমস্ত অসামাজিক কাজ সমাজে ঘটে চলেছে তার বিরুদ্ধেও তাঁদের সরব হতে দেখা যাচ্ছে। লেখকদের আরও বেশি করে সমাজ সম্পর্কে সচেতন থেকে নিজেদের ভূমিকা পালন করার ব্যাপারে আবেদন জানিয়েছেন

উৎপল কুমার সর। অনুষ্ঠানে ব্যক্তব রাখতে গিয়ে কবি তথা সাহিত্য একাডেমির বেঙ্গলি এডভাইজার বোর্ডের চেয়ারম্যান সুবোধ সরকার বলেন, পৃথিবী বর্তমানে গ্লোবাল ভিলেজে পরিণত হয়েছে। তাই আন্দামান নিকোবর দ্বীপপুঞ্জ মেইন ল্যান্ডের থেকে অনেক দূরে অবস্থান করছে, সে কথা বলা যাবে না। মেইন ল্যান্ডের সঙ্গে দ্বীপপুঞ্জের মধ্যে কোন বিভাজন রাখা যাবে না। আন্দামান নিকোবর দ্বীপপুঞ্জে বাংলার পাশাপাশি অন্য ভাষাভাষির সাহিত্য যাতে আরও ভালো জয়গায় পৌঁছতে পারে সেবিষয়ে কাজ করার ব্যাপারে বদ্ধপরিকর। অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন সাহিত্য একাডেমির বেঙ্গলি এডভাইজার বোর্ডের সদস্য অনাদিগুণ বিশ্বাস। তিনি বলেন, এই দ্বীপপুঞ্জে সাহিত্যকে সেইভাবে গুরুত্ব দেওয়া হচ্ছে না। এই ধরনের কবি সম্মেলনের গুরুত্ব কতখানি, তা-ও এদিনের অনুষ্ঠানে তুলে ধরেন অনাদিগুণ বিশ্বাস। এই ধরনের কবি সম্মেলন আয়োজন করার জন্য আন্দামান নিকোবর দ্বীপপুঞ্জ প্রশাসনকে অভিনন্দনও জানিয়েছেন তিনি।